राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

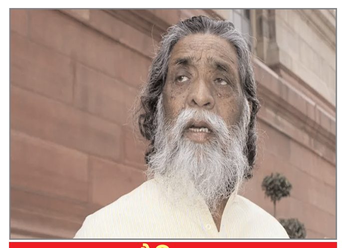

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 09 अप्रैल 2026
वर्ष 14, अंक 348, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मेरा जीवन सदैव सामाजिक हितों के कार्यों के लिए तत्पर रहेगा- सुनील सिंह ..03

मेट्रो लाइन 9 (दहिसर से काशी गांव) शुभारंभ समारोह..04

सबरीमाला केस: आस्था पर न्यायिक समीक्षा नहीं... सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का तर्क

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि अगर मेरी आस्था सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ नहीं है, तो उस पर न्यायिक समीक्षा नहीं हो सकती. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर मैं किसी बात पर विश्वास करता हूं और वह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता या स्वास्थ्य के खिलाफ नहीं है तो तर्क और विज्ञान के आधार पर न्यायिक समीक्षा नहीं हो सकती. S G ने शेषाम्मल और अन्य बनाम तमिलनाडु राज्य (1972) मामले का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शेषाम्मल मामले में कहा था कि राज्य की कोई भी कार्रवाई जो आगमों द्वारा अधिकृत न किए गए अर्चक के स्पर्श से मूर्ति को अपवित्र या दूषित करने की अनुमति देती है. वह हिंदू उपासक की धार्मिक आस्था और प्रथाओं में गंभीर रूप से हस्तक्षेप करेगी और इसलिए संविधान के अनुच्छेद 25(1) के तहत प्रथम दृष्टया अमान्य होगी।

धर्म के मूल तत्व का बलिदान नहीं किया जा सकता- S G

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 1972 के फैसले में उद्धृत पालखीवाला के तर्कों को पढ़ा कि सामाजिक सुधार के बहाने राज्य किसी धर्म को मिटा नहीं सकता. इस पर जस्टिस नागरत्ना ने टिप्पणी की कि सामाजिक सुधार के नाम पर कोई धर्म अपनी पहचान नहीं खो सकता. एसजी ने कहा कि सुधार के नाम पर धर्म के मूल तत्व का बलिदान नहीं किया जा सकता.

सुधार किसी धर्म को खोखला नहीं कर सकता- जस्टिस नागरत्ना

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि सुधार किसी धर्म को खोखला नहीं कर सकता. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एसपी मित्तल मामले (ऑरोविल) में 'धार्मिक संप्रदाय' की परिभाषा पर दिए गए स्पष्टीकरण को पढ़ते हुए कहा संविधान के अनुच्छेद 26 में प्रयुक्त शब्द 'धार्मिक संप्रदाय' को 'धर्म' शब्द से ही अर्थ लेना चाहिए और यदि ऐसा है, तो 'धार्मिक संप्रदाय' अभिव्यक्ति को तीन शर्तों को भी पूरा करना होगा।

पहला ये कि यह ऐसे व्यक्तियों का समूह होना चाहिए जिनकी मान्यताओं या सिद्धांतों की एक प्रणाली हो जिसे वे अपने आध्यात्मिक कल्याण के लिए सहायक मानते हों, अर्थात एक साझा आस्था. दूसरा साझा संगठन और तीसरा एक विशिष्ट नाम द्वारा नामित होना. वे ऑरोविल मामले में धार्मिक संप्रदाय की परिभाषा को सीमित मानते हुए उससे असहमत हैं. स्व का तर्क है कि एक संप्रदाय अन्य संप्रदायों के कुछ हिस्सों से मिलकर बन सकता है. विभिन्न आस्था प्रणालियों, धर्मों और संप्रदायों के लोग एक ही धार्मिक स्थल पर एकत्रित हो सकते हैं।

जस्टिस नागरत्ना ने याचिका की वैधता पर उठाए सवाल

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को चुनौती देने वाली याचिका की वैधता पर सवाल उठाया. उन्होंने पूछा कि मूल याचिकाकर्ता भक्त नहीं हैं. किसी भी भक्त ने सुप्रीम कोर्ट में (महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को) चुनौती नहीं दी है, याचिकाकर्ता कौन है? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि यह यंग इंडियन लॉयर्स एसोसिएशन है।

क्या भगवान अय्यप्पा के भक्त ऐसी याचिका दायर कर सकते हैं?

जस्टिस नागरत्ना ने फिर पूछा कि क्या भगवान अय्यप्पा के कोई भक्त ऐसी याचिका दायर कर सकते हैं और निष्कर्ष निकाला कि यदि कोई गैर-भक्त, यानी मंदिर से असंबंधित व्यक्ति, इसे चुनौती देता है तो क्या सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर विचार कर सकता है? और यह मुद्दा पहले हल किया जाना चाहिए. S G तुषार मेहता ने उल्लेख किया कि सबरीमाला मामले में जस्टिस इंदु मल्होत्रा के अल्पमत मत में कहा गया था कि कोई अजनबी किसी धार्मिक आंदोलन में शामिल नहीं हो सकता।

जस्टिस नागरत्ना ने याचिकाकर्ताओं के व्यक्तिगत संबंध पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी संस्था द्वारा मुकदमा दायर किया गया होता, तो आदेश 7 नियम 11ए के तहत कार्रवाई के कारण के अभाव में उसे खारिज कर दिया जाता. जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि पहले इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या किसी धार्मिक संप्रदाय से अपरिचित व्यक्ति जनहित याचिका के माध्यम से उस संप्रदाय की प्रथाओं पर सवाल उठा सकता है।

सपा गुंडों को संरक्षण देने की राजनीति करती है- योगी के मंत्री का अखिलेश पर तंज

नोएडा- उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के एक ट्वीट पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी प्रदेश में गुंडों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती है, तब सबसे ज्यादा परेशानी समाजवादी पार्टी को होती है। नंदी ने कहा कि सपा की राजनीति हमेशा से अपराधियों और माफियाओं को संरक्षण देने वाली रही है। उनके अनुसार, पार्टी को कानून-व्यवस्था में सुधार की बजाय अराजकता पसंद है, इसलिए वह हर कार्रवाई का विरोध करती है। मंत्री ने आगे कहा कि सपा नेतृत्व ऐसे मामलों में लगातार बयानबाजी कर अपने वोट बैंक को साधने की कोशिश करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के चलते सपा अक्सर अपराधियों के पक्ष में खड़ी दिखाई देती है। इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। आने वाले समय में इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

चुनाव आयोग से क्यों घबरा रहा है सत्ता पक्ष? सिंघवी ने CEC की छवि उठाए गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिए गए लोकसभा और राज्यसभा के नोटिस को खारिज करने को लेकर विपक्षी पार्टियों की कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई. इस दौरान कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह गंभीर मामला है. सत्ता पक्ष चुनाव आयोग से क्यों घबरा रहा है? सत्ता पक्ष हर चीज को क्यों झूठलाने का प्रयास करता है।

उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष लोकतंत्र का गला घोंटने का काम करता है. सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर सरकार इतना क्यों घबराई हुई है? सिंघवी ने कहा कि यशवंत वर्मा के केस में न्यायालय ने 6 स्टेज की सूची दी है. CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को पहले स्टेज में खारिज कर दिया गया, जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया को इस तरह से खारिज कर दिया जाएगा तो ये सभी लोग इस प्रक्रिया से ऊपर हो जाएंगे. SIR प्रक्रिया में यूं तो कई खामियां रहीं, लेकिन 2 ऐसे मुद्दे रहे जो CEC की छवि पर सवाल खड़े करती हैं.

राज्यसभा के सभापति ने खारिज किया था प्रस्ताव

राज्यसभा के सभापति ने छह अप्रैल को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया था. ष्ठश्वष्ट को पद से हटाने के लिए ढ्ढहृष्ठ्र के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने महाभियोग का नोटिस दिया था. Section 3 of judges inquiry act 1968 के तहत अपने अधिकार का उपयोग करते हुए राज्यसभा के सभापति ने इस मोशन को स्वीकार करने से मना कर दिया है।

राज्यसभा में यह प्रस्ताव 12 मार्च को पेश किया गया था. राज्यसभा में 63 सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर किए थे. वहीं, लोकसभा में 130 सांसदों ने इस पर साइन किए थे. इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना था. नियमों के मुताबिक, किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए कम से कम 100 लोकसभा सांसदों या 50 राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

नारी शक्ति वंदन: OBC आरक्षण की मांग ने बढ़ाई सियासी तपिश, विशेष सत्र में हंगामे के आसार

नारी शक्ति वंदन कानून लेकर पहले ही विपक्ष सीटें बढ़ाने के मामले में दक्षिण भारत को उत्तर भारत के मामले में नुकसान का मुद्दा उठाकर नाराजगी जाहिर कर चुका है. अब आरक्षण में पिछड़े वर्ग की महिलाओं के आरक्षण का मुद्दा उठाकर वो सरकार के लिए नया सिरदर्द पैदा करता दिख रहा है. दरअसल, इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के कई दल राहुल गांधी पर दबाव बना रहे हैं कि वे सिर्फ ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के मुद्दे को उठाने तक सीमित न रहें, बल्कि ओबीसी आरक्षण की मांग को भी उतनी ही मजबूती से संसद और जनता के सामने रखें. उनका मानना है कि सामाजिक न्याय की राजनीति को और स्पष्ट तथा प्रभावी बनाने की जरूरत है।

खुद कांग्रेस के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने भी यही मांग की है. ऐसे में राहुल गांधी के सामने एक राजनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है. यदि वे इस मांग का समर्थन करते हैं, तो उन्हें इसे राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाना होगा. वहीं, अगर वे इससे दूरी बनाते हैं, तो गठबंधन के भीतर असहमति बढ़ सकती है, जिससे विपक्ष की एकजुटता पर असर पड़ सकता है. वैसे खुद भी राहुल गांधी ओबीसी के मुद्दे को हाल में लगातार मजबूती से उठाते आए हैं।

सरकार को दो तिहाई समर्थन चाहिए

वहीं, राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो 2023 में लोकसभा में सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल था, जिससे वह अपने कई विधेयकों को आसानी से पारित करा सकी. लेकिन अब परिस्थिति थोड़ी अलग दिखाई दे रही है. अब इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित करने के लिए सरकार को दो तिहाई यानी 364 सांसदों का समर्थन चाहिए, जो बिना विपक्ष के सहयोग के जुटाना मुश्किल दिखाई दे रहा है।

विशेष सत्र में हंगामे के आसार

सरकार को जहां विपक्ष का भरोसा जीतना होगा, वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर अपनी एकजुटता और रणनीति को मजबूत करने की कोशिश करेगा. कुल मिलाकर 16 अप्रैल से फिर तीन दिन के लिए शुरू होने वाले विशेष सत्र में यह एक बड़ा मुद्दा बनने वाला है. इस पर हंगामे के आसार हैं।

कानुपर में जागरण पड़ताल का असर, स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, कैलाश मेडिकल सेंटर का आइसीयू सील, सूर्या व खान हास्पिटल को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। रामादेवी-अहिरवां क्षेत्र में मरीजों की जिंदगी से खेल कर रहे झोलाझाप सेंटर की खबर दैनिक जागरण में प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पतालों में छापेमारी कर कार्रवाई की। सीएमओ डा. हरिदत्त नेमी और एसीएमओ डा. रमित रस्तोगी की अगुवाई में रामादेवी पुलिस के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कैलाश मेडिकल सेंटर का आइसीयू सील किया।

वहीं, अस्पताल में गंदगी और निर्माण कार्य होने पर सूर्या हास्पिटल को नोटिस जारी किया गया। खान अस्पताल में फायर की एनओसी नहीं होने पर कार्रवाई कर नोटिस जारी किया गया और सात दिन में अस्पताल और नर्सिंग होम के संचालकों से जवाब मांगा गया।

आहूजा अस्पताल में अवैध तरीके से हुए किडनी ट्रांसप्लांट के बाद दैनिक जागरण के अभियान वसूली के झोलाझाप सेंटर अभियान का असर दिख रहा है। कल्याणपुर-शिवली क्षेत्र में करीब 24 अस्पतालों में कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को रामादेवी और अहिरवां में संचालित गैर मानक के अस्पतालों में छापेमारी की। जांच टीम सबसे पहले कैलाश मेडिकल सेंटर पहुंची।

जहां पर सीएमओ डा. हरिदत्त नेमी को मौके पर आपरेशन थियेटर (ओटी) स्टाफ नहीं मिला। इस पर संचालक से स्पष्टीकरण मांगते हुए ओटी को सील किया गया। इसके बाद सीएमओ सूर्या अस्पताल पहुंचे। जहां पर मरीज वार्ड और आइसीयू में गंदगी मिलने और निर्माण कार्य चलने पर संचालक को नोटिस थमाया गया। इसी प्रकार खान हास्पिटल में आग बुझाने के पर्याप्त पर्याप्त इंतजाम और एनओसी नहीं मिलने पर संचालक को नोटिस दिया गया।

एसीएमओ डा. रमित रस्तोगी ने बताया कि कई अस्पताल में छापेमारी चल रही है। स्वास्थ्य विभाग इस बार कड़ी कार्रवाई कर गैर मानक और बिना लाइसेंस के संचालित सेंटर को सील कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित रहेगी।

गोवा के Birch by Romeo Lane क्लब पर ED का शिकंजा, 17.45 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोवा के चर्चित क्लब Birch by Romeo Lane केस में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है. एजेंसी ने करीब 17.45 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर दी है. यह कार्रवाई पीएमएलए कानून के तहत हुई है. मामला गोवा के अर्पोरा इलाके में चल रहे इस क्लब के गैरकानूनी संचालन से जुड़ा है, जहां एक दर्दनाक हादसा हुआ था।

इस पूरे केस की शुरुआत गोवा पुलिस की एफआईआर से हुई थी, जो अंजुना और मापुसा पुलिस स्टेशन में सौरभ लूथरा और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज की गई थी. यह एफआईआर सिर्फ एक हादसे तक सीमित नहीं थी. बल्कि इसमें बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े का भी खुलासा हुआ. 6 दिसंबर 2025 को इसी क्लब में भीषण आग लगी थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे।

जरूरी दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई

जांच में सामने आया कि क्लब चलाने के लिए जरूरी दस्तावेजों में भारी गड़बड़ी की गई थी. ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि इस क्लब को बीइंग जीएस हॉस्पिटैलिटी गोवा अरपोरा एलएलपी नाम की कंपनी चला रही थी लेकिन इसके पास जरूरी सरकारी मंजूरी तक नहीं थी. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि क्लब के पास फायर एनओसी तक नहीं था, यानी सुरक्षा के बुनियादी नियमों की भी अनदेखी की गई.

अधिकारियों को गुमराह किया गया

जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी हेल्थ एनओसी और नकली पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट जैसे दस्तावेज बनाकर अधिकारियों को गुमराह किया गया और लाइसेंस हासिल किए गए. इतना ही नहीं जांच में यह भी पता चला कि क्लब का ट्रेड लाइसेंस 31 मार्च 2024 को ही खत्म हो चुका था. इसके बावजूद क्लब को धड़ल्ले से चलाया जा रहा था. यानी कानून की खुली अवहेलना करते हुए लोगों की जान को खतरे में डालकर मुनाफा कमाया जा रहा था.

ईडी ने कई जगहों पर छापेमारी की थी

ईडी के मुताबिक, इस अवैध तरीके से चल रहे क्लब ने 2023-24 से लेकर 6 दिसंबर 2025 तक करीब 29.78 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसे अब प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अपराध से कमाई आय माना गया है. इससे पहले भी ईडी ने 23 जनवरी 2026 को इस मामले में कई जगहों पर छापेमारी की थी, जिसमें अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत बरामद हुए थे. साथ ही करीब 59 लाख रुपये के बैंक अकाउंट भी फ्रीज किए गए थे।

स्वास्थ्य विभाग का BPM 50 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार, विजिलेंस की कार्रवाई से कर्मचारियों में मची खलबली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की पोल एक बार फिर खुली है। अब प्रतापगढ़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघराय के ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक बीपीएम अमित कुमार मिश्रा को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। बुधवार को सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) टीम ने प्रतापगढ़ पहुंचकर ट्रैप की कार्रवाई की, जिससे दूसरे कर्मचारियों में खलबली मच गई।

अमित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा लिखा गया है। कुंडा, करैटी रोड समापुर निवासी आरोपित को गुरुवार को एंटी करप्शन कोर्ट में पेश

करते हुए अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। बताया गया है बाघराय निवासी एक व्यक्ति ने पीएचसी हरदोपट्टी में सफाई कर्मी पद पर आवेदन किया था। वह आवेदन बीपीएम अमित मिश्रा के पास गया। तब आवेदक से कहा गया कि इस पद पर नौकरी के लिए डेढ़ लाख रुपये लगेगा। अमित ने 50 हजार रुपये एडवांस और बाकी रकम एक हफ्ते के भीतर मांगा। इससे परेशान आवेदक ने एसपी विजिलेंस कार्यालय पहुंचकर शिकायत दी। विजिलेंस ने गोपनीय जांच की तो आरोप सही पाए गए। इस पर बुधवार को इंस्पेक्टर विजिलेंस नन्हें राम सरोज के नेतृत्व में गठित टीम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघराय पहुंची और फिर बीपीएम अमित मिश्रा को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ दबोच लिया। इसकी जानकारी होते ही दूसरे कर्मचारियों में खलबली मच गई।

अभियुक्त के खिलाफ विजिलेंस थाने में भ्रष्टाचार का मुकदमा कायम किया गया है। एसपी विजिलेंस ज्ञानवती तिवारी ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई सरकारी अधिकारी, कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो मोबाइल नंबर-9454404859 एवं 9454401866 शिकायत करें। उस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव बोले- कानपुर की पहचान लौटाएंगे, लाल इमली मिल दोबारा चालू कराने का वादा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सपा मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा व प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि शहर के बजबजाते नाले बीजेपी की स्थिति बयां कर रहे हैं। कानपुर में मिलें बंद पड़ी हैं। अब लाल टोपी वाले ही इमली लाल चलवाएंगे। वहीं, किडनी कांड के खुलासे पर बोले, यहां पहले कालीन भाई, फिर कोडीन और अब किडनी भाई का बोलबाला है। आरोप लगाया कि भाजपा के राज में गरीबों की किडनी निकाली जा रही हैं। सरकार को चाहिए कि इनके पीछे असली खिलाड़ी का राजफाश करे। जर्जर सड़कों पर कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं इंजीनियरिंग कर रहे हैं तो सड़कें कैसे अच्छी होंगी। उन्होंने अपने कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा कि जब वह अधिकारियों के साथ सड़कें बनाने की मीटिंग करते थे तो बिरहाना रोड का हवाला देते थे। सौ साल बाद भी सही है, हमने इसी तर्ज पर शुक्लागंज से उन्नाव तक साइकिल ट्रैक और सड़क बनवाई। वहां आज भी गड्ढे नहीं हैं। अब सड़क बनने से पहले ही कमीशन सेट हो जाता है, इसलिए ठेकेदार अच्छी सड़कें नहीं बनाते हैं।

यहां आए थे अखिलेश यादव

बुधवार सपा मुखिया नौबस्ता पहाड़पुर के तुलसीपुर में रहने वाले रंजन सिंह यादव उर्फ लाला पहलवान के घर पहुंचे थे, जो उनकी राजनीति के शुरुआती दिनों में सुरक्षा का जिम्मा संभालते थे। बीते 27 फरवरी को

उनका हृदयगति रुकने से निधन हो गया था। लाला पहलवान को श्रद्धांजलि और उनकी पत्नी मीना, बेटे सूर्यांश और बेटी अंशिका से मिलकर उन्हें सांत्वना दी।

सपा सरकार की गिनाई उपलब्धियां

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में सपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि शहर आने के दौरान उन्हें मेट्रो लाइन दिखाई पड़ी, जो उनकी सरकार की ही देन है। इसके अलावा पनकी की चिमनी, भोगनीपुर से लेकर घाटमपुर तक किए गए विकास कार्य गिनवाए। कहा कि हमारी सरकार ने तय किया था कि कानपुर, इटावा, कन्नौज इंडस्ट्रियल ट्रैंगल का निर्माण कराएंगे, जिससे लाखों लोगों को रोजगार मिल सके। हालांकि सरकार आने पर लाल टोपी वाले ही लाल इमली समेत अन्य बंद पड़ी मिलें चलवाकर लोगों को रोजगार मुहैया कराएंगे।

'कानपुर को बदनामपुर कर डाला'

बोले, शहरकी पहचान उद्योगों के लिए हुआ करती थी, जो बंद पड़े हैं। इस सरकार ने कानपुर को बदनामपुर बना डाला है। अब इसकी पहचान गाड़ी पलटने और मां-बेटी को जिंदा झोपड़ी में जलकर मरने के लिए होती है। दुष्कर्म आरोपितों के साथ यहां के नेताओं की तस्वीरें प्रचलित होती हैं। रही-सही कसर प्रीपेड मीटर के जरिए पूरी कर दी गई है। ये प्री पीड़ित मीटर हैं, जिसमें लाखों का बिल आ रहा है। सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाकर उन्हें कनपुरिया अंदाज में कहें तो सिर्फ गोली थमा दी है। समाजवादी लोग ही इन्हें न्याय दिलाएंगे।

'इलेक्शन कमीशन हट जाए तो चुनाव निष्पक्ष हो जाएंगे'

चुनाव आयोग के एक्स पर किए पोस्ट पर कहा कि इलेक्शन कमीशन हट जाए, तो चुनाव निष्पक्ष हो जाएंगे। इस दौरान उनके स्वागत में विधायक नसीम सोलंकी, अमिताभ बाजपेई, हसन रूमी, जिलाध्यक्ष फजल महमूद, ओम प्रकाश मिश्रा, पूर्व विधायक सतीश निगम, इरफान सोलंकी, मनोरमा त्रिवेदी, अर्पित यादव और प्रवीण सिंह यादव बंटी समेत तमाम सपाई मौजूद रहे।

जल्द ओटीटी पर रिलीज हो सकी है नई फिल्म गांजागंज

भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निशाने पर लेकर बोले, यूपी में एक फिल्म रिलीज हुई थी। वह पर्दे पर आने से पहले ही फ्लाप हो गई, लेकिन जल्द ही ओटीटी पर गांजा गंज नाम से नई फिल्म रिलीज होगी, क्योंकि शहर में गांजा खूब पकड़ा जा रहा है। वहीं बीजेपी के धुरंधर फिल्म के रहमान डकैत को अखिलेश यादव बता पोस्टर लगाने के मामले में कहा कि अब नया किरदार आने जा रहा है, धुआंधार। इसमें सिर्फ धुआं उठता दिखाई देगा। मुख्य किरदार सबको पता है कौन होगा।

प्रयागराज में राकेश टिकैत का केंद्र पर आरोप, बंगाल में हिंसा करवा रही सरकार, किसानों को मिले मुआवजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि बंगाल में हिंसा और दंगे केंद्र सरकार करा रही है। सिर्फ बंगाल ही नहीं, हर उस राज्य में यह लोग बवाल कराते हैं, जहां उनकी सरकार नहीं होती। टिकैत ने कहा कि बंगाल में फिर टीएमसी सरकार बना रही है। बुधवार को प्रयागराज के नैनी स्थिति खरकौनी पहुंचे टिकैत ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच युद्ध न रुका तो दूसरे देश भी इसकी कीमत चुकाएंगे। भारत में इसका असर साफ दिख रहा है।

व्यापारी जमाखोरी कर रहे हैं और आमजन गैस के लिए परेशान हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। युद्ध बंद होना चाहिए। भारत में सबसे शांति का संदेश देता है इसलिए भारत को इसमें सरपंच की भूमिका निभानी चाहिए।

टिकैत ने कहा कि बेमौसम बारिश से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। खेतों में खड़ी फसल नष्ट हो गई। सरकार को चाहिए कि वह किसानों के नुकसान की भरपाई करे। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि घर और परिवार में महिलाओं को आधे का अधिकार है तो सरकार कम क्यों दे रही है।

जलवायु-अनुकूल खेती : जब खेतों ने मौसम से हारना छोड़ दिया

[कृषि का नया डीएनए: विविधता, स्थिरता और समृद्धि]

[हर बूंद में जीवन, हर जड़ में शक्ति: जलवायु-अनुकूल खेती का दर्शन]

जब आसमान आग उगलने लगे, बादल कहर बनकर टूट पड़ें और धरती की दरारें किसान की हथेली से भी गहरी हो जाएं, तब केवल फसल नहीं, पूरा जीवन उजड़ जाता है। बीते वर्षों में भारत के करोड़ों किसानों ने यही दर्द झेला है। 2025 में करीब 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र सूखा, बाढ़ और लू जैसी चरम मौसम घटनाओं से प्रभावित हुआ, जिससे फसलों को भारी नुकसान हुआ। जहां कभी हरियाली लहराती थी, वहां निराशा का सन्नाटा छा गया। लेकिन इसी अंधेरे से एक नई उम्मीद उभरी है। जलवायु-अनुकूल खेती (क्लाइमेट रेजिलिएंट फार्मिंग) अब केवल खेती का तरीका नहीं, बल्कि किसान के भविष्य की सबसे मजबूत ढाल बन चुकी है।

प्रकृति से लड़कर नहीं, उसके साथ चलकर ही खेती सुरक्षित बनती है। वर्षों तक किसान एक खेत में केवल एक फसल बोते रहे। मौसम बिगड़ा, तो पूरी मेहनत एक झटके में खत्म हो गई। अब खेतों में बदलाव दिख रहा है। गेहूं के साथ दालें, तिलहन, मोटे अनाज और सब्जियां भी उगाई जा रही हैं। यदि गर्मी गेहूं को नुकसान पहुंचाए, तो दूसरी फसलें किसान की कमाई बचा लेती हैं। इससे मिट्टी की ताकत बनी रहती है और उत्पादन भी स्थिर रहता है। ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों में इस तरीके से फसल नुकसान काफी हद तक घटा है। अब किसान समझ रहे हैं– खेत में जितनी अधिक विविधता होगी, उतनी ही अधिक सुरक्षा भी मिलेगी।

मिट्टी बची रहे, तभी खेती की ताकत कायम रहेगी। वर्षों तक उपेक्षित यह मिट्टी रासायनिक उर्वरकों से कमजोर हो गई थी–नमी, उर्वरता और जीवन शक्ति खो गई थी। अब जलवायु-अनुकूल खेती ने इसे सुधारना शुरू किया है। मिट्टी स्वास्थ्य पत्रक ने किसानों को बताया कि किस खेत को किस पोषण की जरूरत है। गोबर, कम्पोस्ट, जैविक खाद और फसल अवशेषों से बनी खाद का प्रयोग तेजी से बढ़ा है। नतीजा साफ है–मिट्टी लंबे समय तक नमी रखती है, कम बारिश में भी जड़ें सूखी नहीं होतीं। जैविक तत्व मिट्टी को इतना मजबूत बनाते हैं कि तेज धूप, सूखा और अनियमित बारिश में भी फसल सुरक्षित रहती है। इसलिए आज मिट्टी केवल जमीन नहीं, यह खेत की जीवित शक्ति और किसान की सबसे बड़ी सुरक्षा बन चुकी है।

जहां खेती बारिश पर निर्भर हो, वहां पानी की हर बूंद अनमोल है। पहले एक हेक्टेयर खेत की सिंचाई में लगभग 10 हजार लीटर पानी लगता था, फिर भी फसल सुरक्षित नहीं रहती थी। अब ड्रिप और स्प्रिंकलर इरिगेशन ने यह तस्वीर बदल दी है–वही खेत अब केवल 4 हजार लीटर पानी में सींचे जा रहे हैं। जलवायु-अनुकूल खेती हर बूंद बचाने की सीख देती है। वर्षा जल संचयन, खेत तालाब, जलग्रहण और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों से सूखे क्षेत्रों में नई उम्मीद जगी है। किसान अब बारिश का पानी बहने नहीं देते, बल्कि कठिन दिनों के लिए सहेजते हैं। इससे पानी, बिजली और सिंचाई की लागत घटती है, और जहां पहले सूखा फसल नष्ट कर देता था, वहां अब फसल बचने की संभावना दोगुनी हो गई है।

बदलते मौसम के सामने अब खेती ने हार मानना छोड़ दिया है। ऐसे गेहूं तैयार हुए हैं जो कम पानी में भी मजबूत रहते हैं, ऐसे धान

विकसित हुए हैं जो बाढ़ में भी नहीं डूबते, और ऐसी दालें सामने आई हैं जो तेज गर्मी व लू झेल सकती हैं। इसी ने खेती में नई क्रांति पैदा की है। 2014 से 2024 के बीच भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 2900 फसल किस्में विकसित की हैं, जिनमें से 2661 जलवायु-अनुकूल हैं। राष्ट्रीय जलवायु-अनुकूल कृषि नवाचार योजना के जरिए ये बीज गांव-गांव पहुंच रहे हैं। इनके साथ शून्य जुताई, फसल अवशेष प्रबंधन और सामुदायिक बीज भंडार जैसी व्यवस्थाएं भी जुड़ रही हैं। पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई गांवों में इन उपायों से फसल हानि 25 से 35 प्रतिशत तक घट चुकी है।

अब किसान अकेला नहीं, पूरा गांव मौसम की मार से लड़ रहा है। जलवायु-अनुकूल खेती की सबसे बड़ी ताकत यही है। देश के 151 जलवायु-संवेदनशील जिलों में 448 जलवायु-अनुकूल गांव बन चुके हैं। किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूह और ग्राम समितियां मिलकर मौसम, बाजार, बीज और पानी की जानकारी बांट रही हैं। कृषि विज्ञान केंद्र में महिलाएं और युवा प्रशिक्षण लेकर पशुपालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन और मत्स्यपालन जैसे काम भी कर रहे हैं। इससे आय के कई रास्ते खुल रहे हैं। एक फसल खराब हो जाए, तब भी दूसरा काम परिवार को संभाले रखता है। यही कारण है कि यह मॉडल केवल खेती नहीं, गांव की नई ताकत बन गया है।

अब असर खेतों में साफ दिखाई दे रहा है। जहां पहले मौसम की मार से फसलों का नुकसान काफी अधिक होता था, वहीं जलवायु-अनुकूल खेती अपनाने वाले क्षेत्रों में नुकसान काफी कम हो गया है। किसानों की आय 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ी है। मिट्टी फिर से उपजाऊ हो रही है, जलस्तर सुधर रहा है और खेतों में जैव विविधता लौट रही है। जिन खेतों से पक्षी और छोटे जीव गायब हो गए थे, वहां फिर जीवन दिखाई देने लगा है। मिट्टी की कार्बन रोकने की क्षमता भी बढ़ रही है, जिससे पर्यावरण को लाभ मिल रहा है। 651 जिलों में जलवायु जोखिम का अध्ययन हो चुका है और 310 जिलों के लिए विशेष योजनाएं बन चुकी हैं। यह केवल खेती की जीत नहीं, आने वाले कल की सुरक्षा है।

अब समय आ गया है कि जलवायु-अनुकूल खेती कुछ इलाकों तक नहीं, पूरे देश तक पहुंचे। हर खेत, हर गांव और हर किसान इसका हिस्सा बने। सरकार, कृषि वैज्ञानिक, किसान संगठन और स्थानीय संस्थाएं मिलकर काम करें, तो भारत खेती का नया वैश्विक मॉडल बन सकता है। सबसे छोटे किसान तक बेहतर बीज, पानी बचाने की तकनीक, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता पहुंचनी चाहिए। जिस दिन देश का हर खेत मौसम की मार के सामने मजबूती से खड़ा होगा, उस दिन किसान केवल सुरक्षित नहीं, समृद्ध भी होगा। आने वाले वर्षों में यही मॉडल भारत को खाद्य सुरक्षा, मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकसित भारत 2047 की दिशा में सबसे आगे ले जाएगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

बहुत आपत्तिजनक हैं ट्रंप के असंयमित असभ्य बयान

डोनाल्ड ट्रम्प इन दिनों काफी असंयमित भाषा बोल रहे हैं। अमेरिकी नेताओं ने डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर गहरी चिंता जताई है, जिसमें उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को धमकाते हुए अपशब्दों का इस्तेमाल किया. ट्रंप ने ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर और पुलों पर हमले की चेतावनी दी. उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट और ब्रिज डे होगा... होर्मुज स्ट्रेट खोलो, नहीं तो नर्क में जीओगे.'यह जलमार्ग दुनिया के सबसे अहम तेल और गैस सप्लाई रूट्स में से एक है, जो फरवरी के अंत में अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से लगभग बंद है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं. ट्रंप ने होर्मुज को लेकर ईरान को कई बार धमकी दी है और इस समुद्री मार्ग को खोलने का अल्टीमेटम दे चुके हैं. उन्होंने होर्मुज को खोलने में अमेरिका की मदद नहीं करने के लिए यूरोपीय व नाटो सहयोगियों पर भी नाराजगी जताई है. ट्रंप ने यहां तक चेतावनी दी कि अमेरिका नाटो से बाहर निकल सकता है. अपने इस पोस्ट में ट्रंप ने ईरान के लिए ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल किया, जिसकी किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष से उम्मीद नहीं की जाती. हालांकि हम जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप पर कभी कोई मुकदमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दर्ज होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस समय उनकी भाषा में जो गिरावट स्पष्ट स्पष्ट परिलक्षित है, कम से कम उसका विश्व समुदाय को विरोध करना चाहिए।

दरअसल ईरान पर अमेरिका और इजरायल को जंग छेड़े छह सप्ताह हो चुके हैं, जिसमें कई बार जीत का दावा करने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप जीत के लक्षण नहीं दिखा पाए। बल्कि बार-बार युद्धविराम की अवधि को बदलते हैं और साथ ही उनकी धमकियां भी बदल रही हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के ऐलान से शुरु हुआ यह युद्ध अब नागरिकों को निशाने पर लेने की धमकियों पर उतर आया है। रविवार को ईस्टर के मौके पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टूथ पर ट्रंप ने ईरान को धमकी दी कि 48 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग खोलो वर्ना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहो। ट्रंप ने लिखा कि मंगलवार को ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर व्यापक हमले हो सकते हैं, और इसे संघर्ष का निर्णायक क्षण बताया। लेकिन यह सब इसी तरह की शालीन भाषा में नहीं लिखा गया, बल्कि उन्होंने अपशब्दों का इस्तेमाल किया। और यह पहली बार नहीं है कि ट्रंप ने इस तरह सार्वजनिक तौर पर अपशब्द कहे हों। इससे पहले उन्हें पत्रकारों से चर्चा के दौरान या भाषण देते हुए भी अपशब्द बोलते देखा गया है। यह किसी लिहाज से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए और वैश्विक नेताओं को खुलकर इसकी भर्त्सना करना चाहिए। नरेन्द्र मोदी से इसकी शुरुआत हो तो कितना अच्छा रहेगा।

अमेरिकी सीनेट के सदस्य और डेमोक्रेटिक पार्टी के ?वरिष्ठ नेता चक शूमर ने ईरान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के बयान को 'एक असंतुलित व्यक्ति की बकवास बताया'. उन्होंने कहा कि ट्रंप का यह रवैया अमेरिका के सहयोगियों को उससे दूर कर रहा है. उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया बयान को युद्ध अपराध की धमकी देने जैसा बताया. ट्रंप की पूर्व सहयोगी मार्जरी टेलर ग्रीन ने भी उनके बयान की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्रपति 'पागलपन' की स्थिति में हैं. उन्होंने अमेरिकी प्रशासन के लोगों से दखल देने की अपील की. टेलर ग्रीन ने कहा कि यह युद्ध बिना उकसावे के शुरू किया गया और इससे निर्दोष लोगों की जान जा रही है.

वैसे संयुक्त राष्ट्र में ईरानी ई मिशन ने ट्रंप की की नवीनतम टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान में' नागरिकों के जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने' की धमकी दे रहे हैं। मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'यदि संयुक्त राष्ट्र की अंतरात्मा जीवित होती, तो वह युद्ध भड़काने तो वह युद्ध भड़काने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की खुली और बेशर्म धमकी पर चुप नहीं रहती। ट्रंप इस क्षेत्र को एक अंतहीन युद्ध में घसीटना चाहते हैं।' इसमें कहा गया, 'यह नागरिकों को आतंकित करने के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावा है और युद्ध अपराध करने के इरादे का स्पष्ट प्रमाण है।' इसमें आगे कहा गया- 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय और सभी राज्यों का यह कानूनी दायित्व है कि वे युद्ध अपराधों के ऐसे जघन्य कृत्यों को रोकें। उन्हें अभी कार्रवाई करनी चाहिए। कल बहुत देर हो जाएगी।' वहीं ईरानी संसद के अध्यक्ष गलिबाफ ने कहा कि ट्रंप के 'लापरवाह कदमों से अमेरिका के हर परिवार को एक जीती-जागती नरक में धकेला जा रहा है, हमारा पूरा क्षेत्र जल उठेगा क्योंकि आप नेतन्याहू के आदेशों का पालन करने पर अड़े हैं।' गुलिबाफ के इस बयान से असहमत होने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि ट्रंप जिस तरह अपने बयान बदल रहे हैं, उसमें यही लगता है कि पटकथा कोई और लिख रहा है, केवल संवाद अदायगी ट्रंप की है। क्योंकि अपशब्द वाले बयान के बाद ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार से कहा, मुझे लगता है कि सोमवार को समझौता होने की अच्छी संभावना है, वे (ईरान) अभी बातचीत कर रहे हैं। तो ट्रंप को लगता है कि ईरान अब भी उनसे बात कर समझौता करेगा, जबकि ईरान की सबसे बड़ी सैन्य कमांड यूनिट खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा, 'अगर आम लोगों पर हमले दोहराए गए, तो हमारे अगले हमले और जवाबी कार्रवाई पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक और बड़े पैमाने पर होंगे।' ध्यान देने वाली बात यह है कि ईरान केवल धमका नहीं रहा है, अपनी बात पर अमल भी कर रहा है। अमेरिका का साथ देने वाले खाड़ी देशों समेत इजरायल पर ईरान के हमलों को कोई रोक नहीं पा रहा है, वहीं अमेरिका के लड़ाकू विमानों पर हुए हमले और एक अमेरिकी पायलट के लापता होने की घटना ने भी जाहिर कर दिया है कि अमेरिका उतना भी ताकतवर देश नहीं है, जितना बड़ा उसका हौव्वा खड़ा किया गया है। ईरान की पहाड़ियों में लापता पायलट को बचाने का दावा ट्रंप ने किया है, हालांकि ईरान ने कहा है कि उसने बचाव के लिए आए सैन्य दस्ते पर भी हमला किया है। अब किसका दावा सही है और किसका गलत, यह तय नहीं किया जा सकता। लेकिन इतना तो नजर आ ही रहा है कि इस युद्ध में अमेरिका को वैसी ही चोट पड़ रही है, जो पहले इराक, अफगानिस्तान, क्यूबा और वियतनाम में पड़ चुकी है। आपको पता है कि 2019 में ट्रंप ने खुद एक पोस्ट में प. एशिया में अमेरिका की सैन्य दखलंदाजी और युद्ध को गलत ठहराया था, क्योंकि उसमें अरबों डॉलर खर्च हुए और सैनिकों का नुकसान हुआ। लेकिन अब संभवतः एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के दबाव में ट्रंप ने पूरी दुनिया को युद्ध की बर्बादी में झोंक दिया है। अपनी गलती मानने की जगह रोजाना बेतुके, निर्लज्ज बयानों से उसे सही भी ठहरा रहे हैं। ईरान में परमाणु हथियार और सत्ता बदलने के नाम पर शुरु किया गया युद्ध मीनाब की मासूम बच्चियों का कातिल बना और उसके बाद ईरान की अधोसंरचना पर हमले ही किए जा रहे हैं, कम से कम 30 विश्वविद्यालयों और कई अस्पतालों, दवा कारखानों को बारुद से ढेर कर दिया गया है। यह सीधे-सीधे मानवता के खिलाफ अपराध है, जिसे रोकने के लिए वैश्विक समुदाय को मिलकर आवाज उठानी चाहिए।

मनोज कुमार अग्रवाल

शुद्ध आहार से स्वस्थ जीवन और धर्म साधना का मार्ग

मानव जीवन को यदि गहराई से समझा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि शरीर केवल भोग का साधन नहीं बल्कि धर्म साधना का आधार है। प्राचीन वचनों में कहा गया है कि शरीर ही धर्म का पहला साधन है। जब तक शरीर स्वस्थ और समर्थ है तभी तक मनुष्य अपने कर्तव्यों का पालन कर सकता है और आत्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इसलिए शरीर की रक्षा और उसका संतुलन बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का प्रथम दायित्व बन जाता है। इसी संदर्भ में आहार का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि जैसा आहार होगा वैसा ही विचार और व्यवहार भी होगा।

आज के समय में आहार को लेकर अनेक प्रकार की भ्रांतियां समाज में फैली हुई हैं। कुछ लोग यह मानते हैं कि शरीर को बलवान बनाने के लिए मांसाहार आवश्यक है। यह धारणा केवल अज्ञान और भ्रम का परिणाम है। वास्तव में मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है और उसकी शारीरिक संरचना भी इस बात की ओर संकेत करती है कि वह शाकाहार के लिए अधिक उपयुक्त है। शाकाहार न केवल शरीर को आवश्यक पोषण देता है बल्कि मन को भी शुद्ध और शांत बनाए रखता है।

इतिहास और परंपरा के अनेक उदाहरण इस सत्य को प्रमाणित करते हैं कि शाकाहार अपनाकर भी व्यक्ति अत्यंत शक्तिशाली और तेजस्वी बन सकता है। हमारे देश के अनेक महापुरुषों ने शाकाहार को अपनाकर न केवल आत्मिक ऊंचाई प्राप्त की बल्कि समाज को भी दिशा दी। उनके जीवन से यह स्पष्ट होता है कि

शुद्ध आहार केवल शरीर को ही नहीं बल्कि आत्मा को भी पवित्र करता है।

आहार के विषय में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल क्या खाया जाए यह ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि कितना और कैसे खाया जाए यह भी उतना ही आवश्यक है। हिताहार मिताहार और अल्पाहार का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि भोजन संतुलित और संयमित होना चाहिए। अधिक भोजन शरीर को रोगी बनाता है जबकि संतुलित भोजन शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखता है। जो व्यक्ति अपने आहार पर नियंत्रण रखता है वह स्वयं ही अपना वैद्य बन जाता है और उसे बार बार चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ती।

आधुनिक जीवन शैली में आहार की शुद्धता धीरे धीरे समाप्त होती जा रही है। बाजार में मिलने वाली अनेक वस्तुएं देखने में तो आकर्षक होती हैं लेकिन उनमें ऐसे तत्व मिलाए जाते हैं जो शाकाहार की श्रेणी में नहीं आते। कई बार लोग अनजाने में ऐसी वस्तुओं का सेवन कर लेते हैं जो उनके सिद्धांतों के विपरीत होती हैं। इसलिए आज के समय में सजगता अत्यंत आवश्यक हो गई है। हर व्यक्ति को यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि वह जो खा रहा है वह वास्तव में शुद्ध है या नहीं। इसके साथ ही जल और वायु की शुद्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शुद्ध हवा जीवन का आधार है और उसके बाद जल का स्थान आता है। भोजन तीसरे स्थान पर आता है। यदि वायु और जल शुद्ध नहीं होंगे तो उत्तम भोजन भी शरीर को पूर्ण लाभ नहीं दे पाएगा। इसलिए स्वस्थ जीवन के लिए इन तीनों का संतुलन आवश्यक है।

आज विश्व में जो अशांति और असंतुलन देखने को मिल रहा है उसका एक कारण आहार में आया परिवर्तन भी है। तामसिक भोजन मन में उग्रता और असंयम को बढ़ाता है जबकि सात्विक भोजन शांति और संतुलन को प्रोत्साहित करता है। यदि समाज को शांत और संतुलित बनाना है तो आहार की शुद्धता पर ध्यान देना अनिवार्य है।

वर्तमान समय में बच्चों और युवाओं में भी खानपान की आदतों में तेजी से बदलाव आ रहा है। आकर्षक विज्ञापन और आधुनिक जीवन शैली के प्रभाव में आकर वे ऐसी वस्तुओं का सेवन करने लगे हैं जो उनके स्वास्थ्य और संस्कार दोनों के लिए हानिकारक हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए परिवार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करना होगा। बच्चों को प्रारंभ से ही शुद्ध और संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करना आवश्यक है।

शाकाहार केवल एक खानपान की पद्धति नहीं है बल्कि यह एक जीवन दर्शन है। यह हमें दया करुणा और अहिंसा का संदेश देता है। जब हम शाकाहार अपनाते हैं तो हम केवल अपने शरीर की रक्षा नहीं करते बल्कि अन्य जीवों के प्रति भी संवेदना प्रकट करते हैं। यही संवेदना आगे चलकर समाज में प्रेम और सौहार्द का वातावरण बनाती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल विचारों तक सीमित न रहें बल्कि व्यवहार में भी परिवर्तन लाएं। शुद्ध आहार को अपनाकर हम अपने जीवन को स्वस्थ और संतुलित बना सकते हैं। इसके साथ ही समाज में भी जागरूकता फैलाकर एक सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। यदि हम सभी मिलकर इस दिशा में प्रयास करें तो एक ऐसा समाज निर्मित हो सकता है जिसमें शांति संतुलन और करुणा का वास हो।

अंततः यह कहा जा सकता है कि शुद्ध आहार ही स्वस्थ जीवन और धर्म साधना का आधार है। शरीर की रक्षा और उसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए हमें अपने आहार पर विशेष ध्यान देना होगा। यही मार्ग हमें न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करेगा बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति की ओर भी ले जायगा।

कांतिलाल मांडोत

गेल के माध्यम से कई जिलों को पीएनजी से जोड़ा जाए

भारत सरकार के सबसे बड़े उपक्रम, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अनुमान के तहत देश में 16,000 किलोमीटर से अधिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल द्वारा 2,000 किलोमीटर से अधिक एलपीजी गैस पाइपलाइन का भी संचालन किया जाता है। गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से देश के 22 राज्यों के लगभग 90 से अधिक जिलों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसके जरिए सीएनजी, एलपीजी तथा कुछ जिलों में पीएनजी गैस की आपूर्ति भी की जा रही है। यदि भारत सरकार अपने इस प्रमुख प्राकृतिक गैस उपक्रम के सहयोग से उन राज्यों के जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर जिला एवं तहसील मुख्यालयों को पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल करे, तो आमजन को गैस सिलेंडर के झंझट से काफी हद तक मुक्ति मिल सकती है। निस्संदेह, पीएनजी गैस एलपीजी की तुलना में अधिक सुरक्षित है और इससे प्रत्येक घर की रसोई में चौबीसों घंटे गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकती है। साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी वास्तविक खपत के अनुसार ही भुगतान करना होगा, जो इसे और अधिक सुविधाजनक बनाता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के चलते विश्व स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिसका असर भारत सहित अन्य देशों पर भी स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। ऐसे समय में भारत सरकार यदि उन राज्यों और जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, पीएनजी कनेक्शन के विस्तार की योजना को प्राथमिकता देते हुए उसे क्रियान्वित करती है, तो इससे देश पर गैस आपूर्ति का दबाव कुछ हद तक कम किया जा सकता है। राज्य सरकारों को भी चाहिए कि वे अपने-अपने राज्यों में गैस आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए पीएनजी परियोजनाओं को प्राथमिकता दें और उन्हें शीघ्रता से लागू करें। यह न केवल नागरिकों के जीवन को सुगम बनाएगा, बल्कि ऊर्जा के सुरक्षित, सुलभ और सतत उपयोग को भी सुनिश्चित करेगा।

अरविंद रावल

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नही देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्त्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए ,पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन ज़मीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हज़ारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इज़राइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो।जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नही , बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नही किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिजाइल और द्रोण दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे , जिस तरह कि करना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इज़राइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज़ दब जाती है, वह है–एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाज़ा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हज़ारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हज़ारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं।

युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दर्शाते हैं कि आधुनिक समाज कितना 'असंवेदनशील' हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं।

युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हज़ारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को ज़हरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और ज़मीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं।जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक 'न्यूज़ अपडेट' की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा।

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इस्त्राइल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थों की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।

फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है।

ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रप का सुझाव है: पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, 'कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे। 'मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इज़राइल, ईरान या अमेरिका–शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हैलिकोप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती । सिर्फ इतना जानता है कि ये हैलिकोप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो , जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो- दो आधुनिकतम हैलिकोप्टर गिरा दें,उसे हराना संभव नहीं।

आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी होगी । उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब 'इंसान' तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की 'इंसानियत' पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज़ पर बैठकर बात करना कमज़ोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम 'हथियारों की होड़' को छोड़कर 'मानवता की जोड़' पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा ,जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

अशोक मधुप

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

रंजिश में महिला पर हमला, सिर फोड़ा

लालगंज (रायबरेली) में कोतवाली क्षेत्र के पीर मोहम्मद का पुरवा (मजरे बहाई) गांव की रहने वाली आरती ने गांव के ही तीन लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, हिमांशु, कोमल और बबलू उससे पुरानी रंजिश रखते थे और इसी के चलते उन्होंने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि ईंट मारकर उसका सिर फोड़ दिया गया और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिनदहाड़े बाइक व कार सवारों में मारपीट से बाजार में दहशत

राहगीरों और दुकानदारों मे मची अफरातफरी

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार मोहल्ला में सोमवार दोपहर अचानक मारपीट हो गई। बाइक सवार और कार सवार युवकों के बीच विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। इससे बाजार में अफरा तफरी मच गई। लोगों में दहशत फैल गई। स्कूल से लौट रहे बच्चे भी सहम गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दो बाइकों पर सवार युवक हाथों में लाठी डंडा लेकर पहुंचे। उन्होंने एसबीआई बैंक शाखा के पास कार सवार युवकों को रोक लिया। कार के रुकते ही बाइक सवारों ने ताबड़तोड़ हमला किया। कार का साइड और पीछे का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद कार से उतरे युवक भी डंडों के साथ भिड़ गए। दोनों पक्षों में देर तक जमकर मारपीट हुई। यह देखकर आसपास के दुकानदार घबरा गए। सड़क के दोनों ओर वाहन थम गए और जाम लग गया। घटना के बाद दोनों पक्ष मौके से फरार हो गए। हाथों में डंडे लेकर भागते युवकों को देखकर स्कूल से लौट रहे बच्चे सहम गए। प्रत्यक्ष दर्शनों ने बताया कि मारपीट में दोनों पक्षों से करीब एक दर्जन युवक शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि मामले का कोई शिकायती पत्र नहीं प्राप्त हुआ है।

ईमानदारी के साथ किया गया प्रयास निश्चित ही सफलता दिलाता है:- उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम

लहरपुर सीतापुर मेहनत लगन और ईमानदारी के साथ किया गया प्रयास निश्चित ही सफलता दिलाता है उक्त विचार उप जिलाधिकारी लहरपुर आकांक्षा गौतम ने लहरपुर पब्लिक स्कूल के छात्रों को सम्मानित करते हुए व्यक्त किया उन्होंने बताया प्रत्येक माता-पिता का उत्तरदायित्व है कि वह अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें और अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कार उनमें पैदा करें वरिष्ठ कवि और साहित्यकार संदीप मिश्र सरस ने बताया शिक्षित और अनुशासित छात्र ही राष्ट्र का निर्माता है। हमारी आने वाली नई पीढ़ी ही तय करती है हमारी दिशा और दशा को इसलिए हमें अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से अच्छी से अच्छी शिक्षा और संस्कार उन्हें देना चाहिए जिससे एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण हो सके कार्यक्रम में 19 बच्चों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी हुआ सिराज टाइम्स के संपादक सिराज अहमद व अफरोज जहां सबीहा बानो शीतल गौतम अफ्फान सलीम कोमल गौतम आदि लोग मौजूद रहे।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जवाहर राम पुत्र स्व0 राम यश राम, निवासी 570/1320 चंद्रशेखर आजाद मार्ग, आजाद नगर, आलमबाग लखनऊ बयान करता हूं कि मेरी दोनों पुत्रियां निरंजना पत्नी-अनिल कुमार (आधार संख्या 4638 0419 4224) व रेनू प्रजापति पत्नी राहुल शर्मा (आधार संख्या 5996 6941 1120) हंसी खुशी अपने - अपने ससुराल में रह रही हैं मेरी दोनों पुत्रीयो का व्यवहार मेरे व मेरी पत्नी संतरा देवी के प्रति उचित नहीं है इसलिए मैं अपनी दोनों पुत्रियों निरंजना व रेणु को आज से अपनी समस्त चल अचल ज्ञात व अज्ञात संपत्ति से बेदखल करता हूं आज के बाद मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं रहेगा।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट नौ लोग गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरे अचली गांव में सोमवार शाम करीब आठ बजे जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। घायलों को मेडिकल जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां परिसर के बाहर दोनों पक्ष फिर भिड़ गए। सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणनायक पाण्डेय की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, पूरे अचली गांव निवासी रामबक्स और राममनोहर के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। रामबक्स की पत्नी चंद्रावती ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार शाम करीब दस लोग, जिनमें राममनोहर, देशराज, बुधना, रामरानी, सुधीर कुमार, रामऔतार, राम दुलारी, रीना, गीता और छेद्दू शामिल थे, उनकी सहन की भूमि पर कब्जा करने की नीयत से आए। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।चंद्रावती ने बताया कि जब उनकी बेटियों ज्योति, पूजा, अंतिमा और जेठानी शांति देवी ने इसका विरोध किया, तो उन्हें भी पीटा गया। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी पहुंचाया।देर रात करीब 11 बजे सीएचसी में घायलों के चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान, परिसर के बाहर सड़क पर दोनों पक्षों में फिर से मारपीट हो गई। इस भिड़ंत में पूरे अचली गांव के पंचायत सहायक पवन कुमार का सिर फट गया। सीएचसी परिसर के बाहर मारपीट की जानकारी मिलते ही अधीक्षक डॉ. गणनायक पाण्डेय ने पुलिस को बुलाया, जिसके बाद झगड़ा शांत हुआ। इस जमीनी विवाद में दोनों पक्षों से कुल नौ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया

गया है। एक पक्ष से गीता पत्नी लालबहादुर, बुधना पत्नी राममनोहर और सुधीर कुमार घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से पूजा, महिमा, चंद्रावती, शांति और पवन कुमार गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।मामले पर कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि दोनों पक्षों के घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े बाइक व कार सवारों में मारपीट से बाजार में दहशत

राहगीरों और दुकानदारों मे मची अफरातफरी

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार मोहल्ला में सोमवार दोपहर अचानक मारपीट हो गई। बाइक सवार और कार सवार युवकों के बीच विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। इससे बाजार में अफरा तफरी मच गई। लोगों में दहशत फैल गई। स्कूल से लौट रहे बच्चे भी सहम गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दो बाइकों पर सवार युवक हाथों में लाठी डंडा लेकर पहुंचे। उन्होंने एसबीआई बैंक शाखा के पास कार सवार युवकों को रोक लिया। कार के रुकते ही बाइक सवारों ने ताबड़तोड़ हमला किया। कार का साइड और पीछे का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद कार से उतरे युवक भी डंडों के साथ भिड़ गए। दोनों पक्षों में देर तक जमकर मारपीट हुई। यह देखकर आसपास के दुकानदार घबरा गए। सड़क के दोनों ओर वाहन थम गए और जाम लग गया। घटना के बाद दोनों पक्ष मौके से फरार हो गए। हाथों में डंडे लेकर भागते युवकों को देखकर स्कूल से लौट रहे बच्चे सहम गए। प्रत्यक्ष दर्शनों ने बताया कि मारपीट में दोनों पक्षों से करीब एक दर्जन युवक शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि मामले का कोई शिकायती पत्र नहीं प्राप्त हुआ है।

मेरा जीवन सदैव सामाजिक हितों के कार्यों के लिए तत्पर रहेगा- सुनील सिंह

● बीएमपीएस निदेशक ने अपना जन्मदिन बच्चों संग सादगी पूर्वक मनाया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। बीएमपीएस परिवार के मुखिया प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने अपना जन्म दिन सादगी पूर्वक बच्चों संग मनाया। बच्चे अपने संग प्रबंध निदेशक का जन्म दिन मनाते हुए हर्षित और प्रफुल्लित नजर आए। उल्लेखनीय है कि सुनील सिंह की छवि एक विशिष्ट समाज सेवी के रूप में जानी जाती है।अपने अथक प्रयासों से ही इन्होंने बैसवारा क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के शैक्षिक उन्नयन के उद्देश्य से अपने पारिवारिक जनों की इच्छा अनुरूप बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल की स्थापना कर ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक रूप देने का सफल प्रयास किया। सदैव आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावकों के साथ खड़े रहे और उनके बच्चों के सामने फीस संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होने दी। जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने कहा मेरा यह जीवन सदैव ही समाज की सेवा के लिए समर्पित है और बैसवारा क्षेत्र की ग्रामीण शिक्षा के उत्थान के लिए सदैव भरसक प्रयत्न करता रहूंगा। बीएमपीएस ग्रुप के सभी सदस्यों ने जन्म दिन के अवसर पर परिवार के मुखिया प्रबंध निदेशक के दीर्घायु होने व उनके स्वस्थ एवं निरोगी जीवन की कामना की।

सुंदरकांड पाठ के साथ नए सत्र की शुरुआत

● नव नियुक्त प्रधानाचार्य अवनींद्र पांडेय का हुआ सम्मान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित श्रीगणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में मंगलवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक और विद्यालय परिवार के सदस्य शामिल हुए। भजन गायक आशुतोष शुक्ला और उनकी टीम ने संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। भगवान बजरंगबली की महिमा का गुणगान सुनकर पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। इसके बाद विधिवत हवन-पूजन संपन्न हुआ। इसी के साथ विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के पठन-पाठन की शुरुआत भी की गई। विद्यालय प्रबंधक कार्तिकेय शंकर बाजपेई ने नव नियुक्त प्रधानाचार्य अवनींद्र पांडे को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य के नेतृत्व में विद्यालय

बच्चों को गुणवत्ता परक शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नए सत्र की शुरुआत के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम की दिशा में कार्य किया जाएगा। कहा कि बच्चों में पढ़ाई को लेकर खासा उत्साह है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलाकांत त्रिवेदी ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष रत्नाकर द्विवेदी, उमाशंकर बाजपेई, दिनेश तिवारी, राजकिशोर पांडेय, ओपी श्रीवास्तव, रामकृष्ण बाजपेई, गजाधर चौधरी, कमल नारायण शुक्ला, विमलेश अग्निहोत्री, आशुतोष शुक्ला, मदन मिश्रा, सत्येंद्र बहादुर सिंह, राकेश मिश्र, प्रधानप्रतिनिधि राजेश फौजी, सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

देवेन्द्र कश्यप निडर की दूरदर्शन लखनऊ में हुई शूटिंग

सिधौली के अल्लीपुर का लाल अब पर्दे पर भी चमकेगा

सिधौली। तहसील सिधौली के अल्लीपुर निवासी हिन्दी अवधी के कवि देवेन्द्र कश्यप निडर की कविताओं की दूरदर्शन लखनऊ में शूटिंग हुई। आपकी रचनाएं सामाजिक, शैक्षिक और राष्ट्रीय चेतना से ओत प्रोत हैं। दूरदर्शन लखनऊ के चर्चित प्रोग्राम वन्स मोर में श्री निडर की कविताओं की शूटिंग हुई है। इस कारण वे टी वी पर भी चमकेंगे। देवेन्द्र कश्यप निडर के मुताबिक इस शूटिंग में उन्होंने एक कविता में युवाओं का देश की प्रगति के लिए आवाह्न किया। दूसरी रचना किसान के व्यक्तित्व को रेखांकित करती है। तीसरी रचना में ग्रामीण रूपक चिरैया के माध्यम सामाजिक विसंगतियों को रेखांकित कर अनुकरणीय संदेश दिया है। इस हेतु देवेन्द्र को कवि केदारनाथ शुक्ल, रोहित विश्वकर्मा, हरेन्द्र वर्मा, आर डी वर्मा, सौरभ गिरि, चन्द्रशेखर प्रजापति, अनुराग आग्नेय, राजेश कश्यप, अमित यादव, आदि ने शुभकामनाएं और बधाइयां प्रेषित की हैं।

भागवत कथा के आखिरी दिन हजारों श्रोताओं ने भागवत कथा का किया रसपान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। अखरी पोस्ट कसेरुवा में सप्तवेदी, गणेश आंबिका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मुख्य यजमान शिव सिंह, सपत्नीक किरन सिंह, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित सातवीं श्रीमद् भागवत कथा के हो रहे भव्य आयोजन में आखिरी दिन कथा का श्रवण करने के लिए हजारों श्रोताओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी।

आपको बता दें कि, ग्राम सभा अखरी पोस्ट कसेरुवा जिला फतेहपुर में श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन मंगलवार को श्री अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री ने प्रमुख रूप से भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की मित्रता व भगवान का स्वधामगमन परीक्षित मोक्ष जैसी कथाओं का व्याख्यान करते हुए कथा व्यास ने बताया कि, मित्रता कैसी होनी चाहिए यह हमें भगवान श्री कृष्ण तथा सुदामा की मित्रता से सीखना चाहिए, मित्र के प्रति ईमानदारी, त्याग, और सम्मान का भाव ही सच्ची मित्रता कहलाती है। कथा व्यास ने बताया कि, प्रभात क्षेत्र में जब कालांतरण में समय बीता भगवान ने पृथ्वी पर खूब शासन किया जब समय आया तो भगवान अपने स्वधाम को चले गए। कथा व्यास द्वारा विभिन्न प्रसंगों को सुनकर पांडाल में उपस्थित समस्त श्रोता भाव विभोर होकर झूम उठे।

इस मौके पर यज्ञ शाला के मुख्य आचार्य पंडित सीताराम शास्त्री, यज्ञाचार्य सुबोध शास्त्री, उपयज्ञाचार्य योगेंद्र नाथ त्रिपाठी,

व्यवस्थापक शीतला बख्श सिंह, श्रवण मिश्रा, शेर सिंह, विजय बहादुर सिंह, राजा सिंह चौहान, अक्षत सिंह, शुभम सिंह, मोनू सिंह, विक्रम सिंह, हर्षित सिंह, निखिल सिंह, रंग बहादुर सिंह, धीरेंद्र सिंह एवं समस्त मित्रगण सहित आदि भक्त उपस्थित रहे।

सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर किसान नेता शुभम रस्तोगी ने उठाई आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर सीतापुर जनपद के बिसवां क्षेत्र में खराब सड़क को लेकर क्षेत्रवासियों की परेशानी अब खुलकर सामने आने लगी है। किसान नेता शुभम रस्तोगी ने इस गंभीर समस्या को उठाते हुए प्रदेश सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन के माध्यम से बताया कि ग्राम मझिगवां कला, अमहला, सराय, शंकरपुर, टिकरा, रामकुंड, भुड़िला, धूरिपुर सहित कई गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क बेहद जर्जर हालत में है। यह सड़क इटिया शहीद चौराहे से होकर बिसवां-मानपुर मार्ग से जुड़ती है, जो गांवों को बाजार, स्कूल और अस्पताल तक पहुंचने का मुख्य साधन है। लेकिन जगह-जगह गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सपा नेता श्याम यादव ने बताया कि बरसात के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है। सड़क पर पानी भर जाने से आवागमन लगभग ठप हो जाता है, जिससे स्कूली बच्चों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को विशेष कठिनाई झेलनी पड़ती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस सड़क की जल्द से जल्द मरम्मत या पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके। इस मौके पर वीरेंद्र वर्मा, सुमित वर्मा, अमित यादव, पुनीत यादव, असफर नेता, जर्मन यादव फ़ैसल खा, अनिल आज़ाद, शिवेंद्र वर्मा, संतोष वर्मा, मोहित कश्यप आदि मौजूद रहे।

रहीमाबाद पुलिस पर 50 हजार रिश्वत मांगने का आरोप, पैसे न देने पर युवकों को उठाकर थाने में बंद करने व बदले की भावना का आरोप

● ..... 'रहीमाबाद थाना में न्याय की बोली?' सिपाही सेशपाल और सुमित पर 50 हज़ार रिश्वत मांगने का आरोप, कॉल रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल' शीर्षक से प्रकाशित हुई थी खबर, अभी तक नहीं हुई कार्यवाही, पीड़ित को परेशान कर रहे दोनों ही पुलिसकर्मी!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र से पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। एक पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि रहीमाबाद पुलिस के कुछ कर्मियों ने न केवल रिश्वत की मांग की, बल्कि पैसे न देने पर निर्दोष युवकों को उठाकर थाने में बंद कर दिया।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, ग्राम बांक मजरा खड़ौहा, थाना रहीमाबाद निवासी नरेश पुत्र रामचंदर ने बताया कि उन्होंने पहले एक मारपीट के मामले में थाने में शिकायत दी थी। उनका आरोप है कि विपक्षियों ने उनके साथ मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाई थीं, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेने के बजाय इसे एनसीआर में दर्ज कर दिया। जबकि घटना में लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल किया गया था।

पीड़ित ने बताया कि 4 मार्च 2026 को इस मामले को एनसीआर में दर्ज किया गया, जबकि यह संगीन अपराध की श्रेणी में आता था। इसके बाद उन्होंने 13 मार्च 2026 को सहायक पुलिस आयुक्त को भी प्रार्थना पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की, लेकिन इसके बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

सबसे गंभीर आरोप 8 मार्च से जुड़ा है, जब पीड़ित के अनुसार रहीमाबाद थाने के दो पुलिसकर्मी—सुमित और शेषपाल—ने उनसे 50,000 की रिश्वत मांगी। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने कहा कि यदि पैसा दिया जाता है तो मामले में मदद की जाएगी, अन्यथा उन्हें ही फंसाकर गंभीर धाराएं लगा दी जाएंगी। वहीं इससे पहले इन्हीं दोनों सिपाहियों की इसी पूर्व मामले में रिश्वत मांगने की रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी, व पूर्व में इसपर खबर भी प्रकाशित हो चुकी है परन्तु अभी तक एक महीना बीत गया किसी प्रकार की कोई कारवाही नहीं हुई है।

वहीं पीड़ित का कहना है कि उन्होंने रिश्वत देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद 6 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 8 बजे इन्हीं दोनों पुलिसकर्मी द्वारा सादी वर्दी में उनके पुत्र नीरज और हिमांशु को सड़क से उठाकर थाने ले जाकर बंद कर दिया। इस दौरान कुछ स्थानीय लोगों—जिनमें उमा शंकर, गोलू, अर्जुन, अनिल और रानी जैसे नाम शामिल हैं—की मौजूदगी का भी जिक्र किया गया है, जिन्होंने कथित रूप से पुलिस के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि एक स्थानीय व्यक्ति, जो शराब का आदी बताया गया है, पुलिस और आम लोगों के बीच दलाली का काम करता है। आरोप है कि वही व्यक्ति पुलिसकर्मियों से मिलकर लोगों पर दबाव बनवाता है और रिश्वत की मांग करवाता है। पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि जिन असली आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए था, उन्हें छोड़ दिया गया, जबकि निर्दोष युवकों को फंसाकर थाने में बंद कर दिया गया। इससे साफ होता है कि पूरे मामले में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया गया।

वहीं पीड़ित को बार बार यह दोनों ही पुलिसकर्मियों द्वारा परेशान किया जा रहा, उसको झूठे केसों में इन दोनों पुलिसकर्मी द्वारा फंसाया जा रहा है, क्या अब पुलिस पीड़ितों से बदले की कार्यवाही करेगी, बड़ा सवाल है? अंत में पीड़ित ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और जिन निर्दोष युवकों को बंद किया गया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। साथ ही, पूरे प्रकरण में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। यह मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गया है और लोगों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर असंतोष देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

जमुरावां कम्पोजिट विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ वार्षिकोत्सव का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली शिक्षा क्षेत्र महराजगंज के जमुरावां गांव स्थित कम्पोजिट विद्यालय में मंगलवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम प्रधानाध्यापक छोटेलाल और मंच संचालक महेश कश्यप की देखरेख में संपन्न हुआ। वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत, देश भक्ति गीत, समूह नृत्य, कविता पाठ और विभिन्न शैक्षिक प्रस्तुतियों के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर अभिभावकों और अतिथियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिसर मे उत्सव जैसा माहौल बना रहा और पूरे कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी राममिलन यादव ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य कराती हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान अनुराग चौधरी प्रधानाध्यापक छोटेलाल, मंच संचालक महेश कश्यप, पूनम, स्नेह लता वर्मा, शकुंतला, प्रदीप कुमार चौरसिया, राजरानी, सरिता सिंह, दिनेश कुमार, मंजू देवी, रीता सिंह, ललिता मिश्रा, इंद्रेश सिंह, संजीव कुमार समेत अन्य शिक्षकों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की और बच्चों के उज्जवल भविष्य

की कामना की प्रधानाध्यापक छोटेलाल ने बताया कि विद्यालय में समय- समय पर शैक्षिक सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभाओं को मंच मिल सके। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रबंध समिति शिक्षकों अभिभावकों और ग्राम वासियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन से विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल रहा और अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की।

अग्निकांड पीड़ितों को दी गई सहायता राशि और राहत सामग्री

महमूदाबाद-सीतापुर तहसील के ग्राम सरैयां चलाकापुर में परसो शाम हुए भीषण अग्निकांड में पीड़ितों को राहत सामग्री के साथ साथ चेक दी गई। विदित हो कि इस अग्निकाण्ड में 18 परिवारों की कुल 21 झोपडियां जली थी, उक्त 18 परिवारों के झोपड़ी, छप्पर, कपडे तथा घरेलू समान के लिए शासनादेशानुसार आर्थिक सहायता उनके खातों में भेज दी गई तथा 03 जनहानि हुई है। अग्निकांड में मृतक फूलमती पत्नी शत्रोहन उम्र 45 वर्ष नि0 ग्राम के पति शत्रोहन पुत्र नत्था को शासनादेशानुसार 4 लाख रुपए उनके खाते में भेज दिए गए हैं। मृतक इंद्रा पत्नी भगौती प्रसाद उम्र 65 वर्ष व मीनाक्षी पुत्री सुरेंद्र उम्र 7 वर्ष दोनों निवासी जगईपुर थाना बड्डूपुर जिला बाराबंकी के वारिसों को भी उनके खाते में भेजा जा रहा है। इस घटना में कोई पशुहानि नही हुई है। इस अग्निकांड में पीड़ितों को पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह वर्मा और भाजपा नेता शिवकुमार गुप्त ने राशन, बर्तन, कपड़ा व सहायता राशि उपलब्ध कराई है।

महमूदाबाद में एबीवीपी की प्रांत कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न तीन दिवसीय आयोजन बना ऐतिहासिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर जब ध्येय राष्ट्र का हो और संकल्प युवाओं का, तो सफलता इतिहास बन जाती है। महमूदाबाद की धरती ने बीते तीन दिनों में इसी इतिहास को बनते देखा, जहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) अवध प्रांत की तीन दिवसीय प्रांत कार्यकारिणी बैठक का भव्य समापन हुआ। शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रवाद के संगम वाले इस आयोजन ने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की एकजुटता और समर्पण को उजागर किया। वैचारिक मंथन का मंच बना आयोजन यह कार्यक्रम केवल औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान और संगठन की भावी दिशा तय करने का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। तीन दिनों तक चले विभिन्न सत्रों में राष्ट्र निर्माण, छात्र हितों और संगठन विस्तार जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के अनुभवों ने युवाओं को नई ऊर्जा प्रदान की।

अजय प्रताप शुक्ल का मार्गदर्शन, अमन दीक्षित का समन्वय

कार्यक्रम की सफलता में विभाग संगठन मंत्री अजय प्रताप शुक्ल का मार्गदर्शन अहम रहा, वहीं जिला संयोजक अमन दीक्षित ने समन्वय की जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए

पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित बनाया।

आदर्श अवस्थी के नेतृत्व में सशक्त प्रबंधन

नगर मंत्री आदर्श अवस्थी के नेतृत्व में महमूदाबाद नगर इकाई ने आयोजन को उत्कृष्ट रूप से संचालित किया। नगर अध्यक्ष राहुल सिंह की अध्यक्षता में पूरी टीम ने अनुशासन, सेवा और संगठन क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ताओं के सहयोग से मिली सफलता

इस आयोजन की सफलता के पीछे अमन शांडिल्य, कपिल शुक्ल, नीरज यादव, आशुतोष गुप्ता, हर्षित मिश्रा, दुर्गेश अवस्थी, अमित श्रीवास्तव, सचिन वर्मा, अनुराग मौर्य, प्रिया मिश्रा, अलख श्रीवास्तव और दिव्यांशु बंगाली सहित अनेक कार्यकर्ताओं का योगदान रहा, जिन्होंने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखा।

नगर मंत्री का भावुक संदेश

समापन के बाद नगर मंत्री आदर्श अवस्थी ने कहा कि यह सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर आयोजन को सफल बनाया।

राष्ट्रगान और जयघोष के साथ समापन

तीन दिवसीय इस आयोजन का समापन राष्ट्रगान और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के साथ हुआ। यह बैठक न केवल संगठन की मजबूती का प्रमाण बनी, बल्कि महमूदाबाद को अवध प्रांत के केंद्र में स्थापित कर।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी निजामुद्दीन ने स्कूली बच्चों को कॉपी बांटी

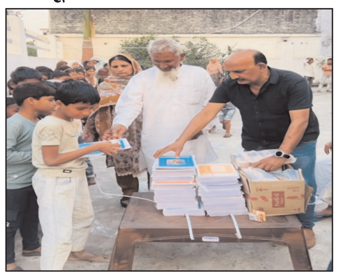

सिद्धार्थनगर- इटवा विकास क्षेत्र के ग्राम पिपरा मुर्गिहवा में मंगलवार को समाजसेवी निजामुद्दीन ने एक कार्यक्रम करके विभिन्न स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने वाले 6-14 वर्ष के बच्चों को कापी स्टेशनरी अन्य उपहार देकर शिक्षा के प्रति शत प्रतिशत स्कूलों में नामांकन कराने के लिए अभिभावकों को आह्वान भी किया, इटवा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व प्रधान प्रतिनिधि निजामुद्दीन खां ने अपने निजी आवास पर सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने वाले सौ से अधिक बच्चों मे कापी अन्य उपहार देकर उन्हे सम्मानित किया तथा उन्हें शिक्षा के मूल उद्देश्य के बारे मे बताया उन्होंने कहा शिक्षा से बालक का सर्वभौमिकरण और मानसिक विकास होता है सरकार द्वारा स्कूली बच्चों को विभिन्न प्रकार की सुविधा दिया जा रहा है, इसलिए कि बच्चों का हौसला बढ़े और उनमें शिक्षा के प्रति ध्यान दें जिससे आने वाले समय मे अपने परिवार और देश का नाम रौशन कर सकें, इस दौरान पूर्व प्रधान तेज बहादुर डॉ. इरफान अहमद, बरकतुल्लाह, सलीम अशरफी लाल, दीन मोहम्मद, आदि अभिभावक एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे

14 को अम्बेडकर जयंती मनाने को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

सिद्धार्थनगर। बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जयंती को भव्य रूप से मनाने के लिए मंगलवार को इटवा तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा नावडीह में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी ग्रामवासी को 14 अप्रैल को आयोजन को लेकर जिम्मेदारी तय की गई। इस दौरान संतराम गौतम ,नानमुनु गौतम, संतोषी गौतम, श्याम लाल गौतम,भगवत गौतम, गोली गौतम, पूजा गौतम, बहाऊ गौतम सुग्रीव गौतम, रामफेर गौतम, केशराम गौतम,बेचन गौतम, चेतराम गौतम,गोकरण गौतम,कनिक राम गौतम खदेरू गौतम, शिवपूजन गौतम, परशुराम गौतम चंद्रभान गौतम, लल्लू गौतम, चिंकू चौधरी, झीन सोनी, आदि लोग मौजूद रहे।

कानपुर में ई-रिक्शा, ई-आटो के सुव्यवस्थित संचालन के लिए थानों में कलर क्यूआर को का वितरण

कानपुर। कानपुर नगर के शहरी क्षेत्र में ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो के सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं नियंत्रित संचालन को सुनिश्चित करने हेतु यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा कलर क्यू आर कोड स्टीकर रजिस्ट्रेशन एवं वितरण कार्य किया जा रहा है। इस अभियान की शुरुआत दिनांक 25.2.2026 से की जा चुकी है। ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो चालकों, स्वामियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर के 37 थानों एवं एसीपी यातायात कार्यालय परिसर में विशेष काउंटर स्थापित किए गए हैं, जहां पर कलर क्यू आर कोड स्टीकर का रजिस्ट्रेशन एवं वितरण कार्य किया जा रहा है। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा सभी ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो स्वामियों एवं चालकों से अपील की जाती है अपने आवश्यक दस्तावेजों- वाहन आरसी,ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा एवं आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ शहर के निकटतम थाना या एसीपी यातायात कार्यालय परिसर में स्थापित काउंटर पर जाकर कलर क्यू-आर कोड स्टीकर प्राप्त करना सुनिश्चित करें। जिन ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो का रजिस्ट्रेशन, वेरिफिकेशन हो चुका है, वे केवल अपने निर्धारित रूट पर ही संचालित हों । साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि दिनांक 08.04.2026 से बिना क्यू आर कोड स्टीकर / रजिस्ट्रेशन /वेरिफिकेशन के संचालित पाए जाने वाले ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

पाक्सो एक्ट में निरूद्ध वांछित गिरफ्तार

रूद्रपुर, देवरिया। कोतवाली पुलिस ने पाक्सो एक्ट में विरुद्ध रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के ही एक व्यक्ति को मंगलवार को सेमरौना पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया और विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेज दिया। कोतवाल कल्याण सिंह सागर ने बताया कि उक्त आरोपी अजीत उर्फ गोलू निवासी कृतपूरा की तलाश काफी समय से की जा रही थी। पुलिस ने मंगलवार को उसे धर दबोचा और आवश्यक कार्यवाही पूरी की।

मेट्रो लाइन 9 (दहिसर से काशी गांव) शुभारंभ समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई... सपनों की नगरी... जहां हर दिन लाखों कदम अपने मंज़िल की ओर बढ़ते हैं... और अब, इन कदमों को मिलने जा रही है रफ्तार की नई ताकत! आज का दिन, मुंबई के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है... जब विकास की पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार हुई मेट्रो लाइन 9 - दहिसर से काशी गांव तक 4.7 किलोमीटर की आधुनिक मेट्रो सेवा। यह सिर्फ एक मेट्रो लाइन नहीं... यह है मुंबई के भविष्य की नई दिशा, जहां सुविधा, समय की बचत और आधुनिकता का संगम है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक, आमदार नरेंद्र मेहता, साथ ही भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी और सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ता। जैसे ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हरी झंडी दिखाकर इस मेट्रो सेवा को रवाना किया... वैसे ही पूरे माहौल में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई।

यह सिर्फ एक शुरुआत नहीं...

यह मुंबई के हर नागरिक के लिए एक नई उम्मीद है– कम समय में सफर, कम ट्रैफिक, और ज्यादा सुविधा जहां एक ओर सड़कों पर बढ़ता ट्रैफिक लोगों की परेशानी का कारण बनता है, वहीं यह मेट्रो लाइन उस समस्या का सशक्त समाधान बनकर उभरेगी 'अब ऑफिस जाना बहुत आसान हो जाएगा!' 'समय भी बचेगा और सफर भी आरामदायक रहेगा!' यह परियोजना न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगी– कम प्रदूषण, अधिक हरियाली की ओर एक मजबूत कदम।

इस मौके पर सभी गणमान्य नेताओं ने अपने संबोधन में मुंबई के इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि आने वाले समय में ऐसी कई परियोजनाएं शहर को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करेंगी। दहिसर से काशी गांव तक का यह 4.7 किलोमीटर का सफर

अब सिर्फ दूरी नहीं...
बल्कि विकास की कहानी बन चुका है।
मुंबई अब रुकेगी नहीं...
मुंबई अब थमेगी नहीं...
क्योंकि अब हर सफर के साथ जुड़ गई है मेट्रो की रफ्तार! मेट्रो के साथ बढ़ते कदम... विकास की नई पहचान... और एक सशक्त, आधुनिक मुंबई की ओर बढ़ता भारत।

संदिग्ध दशा में युवती की मौत,मचा कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध दशा में इलाज के दौरान युवती की मौत हो गयी। मौत को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली के बेलहा निवासी शिवराम विश्वकर्मा की पुत्री कली (22) की सोमवार की शाम करीब चार बजे संदिग्ध दशा में तबियत खराब हो गयी। परिजन इलाज के लिए उसे ट्रामा सेंटर ले आये। यहां हालत गम्भीर देख चिकित्सकों ने युवती को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रात करीब नौ बजे इलाज के दौरान युवती की मौत हो गयी। परिजन अस्पताल से शव लेकर घर आये और उसका अन्तिम संस्कार कर दिया। युवती की मौत से मां गुड्डी देवी, बहन कविता तथा भाई अतुल का रो रोकर बुरा हाल देखा गया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है घटना की जानकारी नहीं है, तहरीर मिली तो कार्यवाही की जायेगी।

स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, खुनियांव विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बलुआ डीह में शिक्षण सत्र के प्रथम चरण में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान की रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों को संचारी रोग नियन्त्रण एवं दस्तक अभियान के बारे में भी जागरूक किया गया। इसके बाद विद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया गया। जिसमें विगत शैक्षणिक सत्र में सफल हुए कक्षा पांच के बच्चों को पुरस्कृत किया गया, तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

प्राथमिक विद्यालय बलुआ डीह में इंचार्ज प्रधानाध्यापक विनोद कुमार उपाध्याय ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष के नेतृत्व में बच्चे अपने हाथों में रंग-बिरंगी झंडिया तथा शिक्षा प्रेरक नारे लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे। मम्मी पापा हमें पढ़ाओं, स्कूल चलकर नाम लिखाओ, आधी रोटी खायेंगे, स्कूल जरूर जाएंगे, पढ़ी लिखी नारी घर की उजियारी, एक दो तीन चार साक्षरता की जय जयकार, कोई न छूटे अबकी बार शिक्षा है सबका अधिकार 'आदि नारे लगाते हुए बच्चे चल रहे थे। वहीं इंचार्ज प्रधानाध्यापक और शिक्षक बीच-बीच में अभिभावकों से अपील कर रहे थे कि अपने परिवार के 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों के नाम विद्यालयों में अवश्य लिखवाएं। विद्यालय में पर्याप्त भौतिक संसाधन, कमरे, समार्ट क्लास, स्वच्छ शौचालय, पंखे, ब्लूटूथ आदि की व्यवस्था है। रैली में प्रभारी प्रधानाध्यापक विनोद कुमार उपाध्याय, संजीव कुमार,ग्राम प्रधान घनश्याम, हरीलाल, मंगरु मौर्या, बीडीसी रमेश चौधरी, अयोध्या चौधरी, शोभवती, सीता देवी, किसनावती आदि ने प्रतिभाग किया गया। इसके पूर्व प्रार्थना स्थल पर बच्चों को सड़क सुरक्षा पार विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रेमी से शादी की जिद में युवती 200 फीट टावर पर चढ़ी, 'हां' मिलते ही डेढ़ घंटे बाद उतरी सकुशल

● सुखपुरा में हाई वोल्टेज ड्रामा, पुलिस की मौजूदगी में फोन पर हुई बात के बाद बनी सहमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

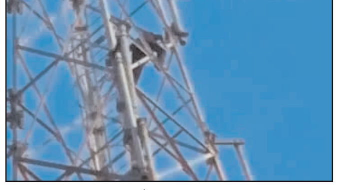

बलिया जिले के सुखपुरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवती ने प्रेमी से शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा खड़ा कर दिया। करीब 200 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी युवती को देखने के लिए मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लगभग डेढ़ घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस की समझाइश और प्रेमी की सहमति मिलने पर युवती सकुशल नीचे उतर आई।

घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे सुखपुरा कस्बे में सिनेमा हॉल के पास की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और टावर के चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम किए। युवती को नीचे उतारने के लिए उसके प्रेमी को बुलाया गया और दोनों की फोन पर बात कराई गई।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पिछले छह महीनों से प्रेम संबंध चल रहा था। सोमवार को युवती ने युवक को घर बुलाकर शादी का दबाव बनाया, लेकिन युवक ने अपने बड़े भाई की शादी के बाद ही विवाह करने की बात कहकर मना कर दिया और पुलिस को सूचना दे दी थी। उस समय पुलिस ने दोनों को समझाकर घर भेज दिया था। पुलिस की इसी कार्रवाई से नाराज युवती ने अगले दिन यह कदम उठा लिया। हालांकि, मौके पर प्रेमी द्वारा शादी के लिए हामी भरने के बाद युवती शांत हुई और शाम करीब 5:20 बजे सुरक्षित नीचे उतर आई। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है, वहीं पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत करा दिया है।

लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों का 12 मई को होगा चुनाव

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी का चुनाव आगामी 12 मई को होगा। मंगलवार को चुनाव कार्यक्रमों को लेकर समिति के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में लिए गये निर्णय के तहत आगामी 12 मई को तहसील के लाइब्रेरी हाल में प्रातः आठ बजे से अपरान्ह तीन बजे तक मतदान कराया जायेगा। चुनाव परिणामों की घोषणा भी इसी दिन मतगणना के बाद की जायेगी। समिति के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने बताया कि आगामी दस अप्रैल तक सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। मतदाता अंतिम सूची का बार कौंसिल से सत्यापन कराये जाने का भी निर्णय लिया गया है। मतदान के एक दिन पहले 11 मई को तहसील पार्क में प्रत्याशियों का दक्षता भाषण होगा। वहीं आगामी 25 अप्रैल से 28 अप्रैल तक प्रत्याशियों का नामांकन होगा। 29 अप्रैल को नाम वापसी व जांच की प्रक्रिया होगी। बैठक का संचालन महामंत्री वीरेन्द्र सिंह अगई ने किया। इस मौके पर एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, रामलगन यादव, बेनी लाल शुक्ल, संतोष पाण्डेय, शैलेन्द्र चतुर्वेदी मौजूद रहे।

सिविवि का दशम दीक्षांत समारोह 30 जून को प्रस्तावित, 18-22 जून तक मनाया जाएगा 'दीक्षांत सप्ताह'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर में राजभवन के दिशा-निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आगामी 30 जून को आयोजित किए जाने का प्रस्ताव दिया गया है। दीक्षांत समारोह की तैयारियों के मद्देनज़र विश्वविद्यालय में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीक्षांत समारोह को विशेष बनाने के लिए एवं छात्रों में नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मकता विकसित करने के उद्देश्य से 18 जून से 22 जून तक 'दीक्षांत सप्ताह' का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शैक्षणिक, रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमो में प्रमुख रूप से 18-20 जून को विद्यार्थियों में रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आर्ट्स एंड क्राफ्ट हैकथॉन का आयोजन किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर प्रातः: एक योग सत्र आयोजित किया जाएगा इसके पश्चात आधुनिक तकनीक कृत्रिम बौद्धिकता और उपयोग पर आधारित एक विशेष सत्र पर विद्वान अपने विचार साझा करेंगे जिससे छात्रों को नवीन तकनीक के बारे में जानने एवं समझने का अवसर मिलेगा। 22 जून को विभिन्न प्रतियोगिता जैसे लोगो प्रतियोगिता के साथ में पूर्ववर्ती छात्र सम्मलेन भी आयोजित की जाएगा। कुलपति ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए दीक्षांत समारोह और उससे जुड़े कार्यक्रमों को सफल बनाने में योगदान दें।

इस अवसर पर विवि के कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर होता है, जिसमें विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत को सम्मानित किया जाता है। उन्होंने सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समन्वय के साथ करें, ताकि कार्यक्रम का आयोजन गरिमापूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।साथ ही एनसीसी एवं एनएसएस के विद्यार्थियों की सहभागिता भी रहेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष छात्र कल्याण प्रो नीता यादव, अध्यक्ष वाणिज्य संकाय प्रो सौरभ, अध्यक्ष विज्ञान संकाय प्रो प्रकृति राय, प्रो हरीश कुमार शर्मा, प्रो सुनील श्रीवास्तव, प्रो सत्येंद्र दुबे, प्रो सुनीता त्रिपाठी सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

डीएम ने थारू जनजाति छात्रावास का किया निरीक्षण, छात्रों से संवाद कर जाना शैक्षणिक माहौल

● इंडियन बैंक के सहयोग से नई लाइब्रेरी का शुभारंभ, निर्माणाधीन भवन का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने मंगलवार को नगर पालिका क्षेत्र स्थित थारू जनजाति छात्रावास का निरीक्षण कर वहां की शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रहे छात्रों से सीधा संवाद कर उनकी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी और इंडियन बैंक के जोनल मैनेजर राजेश भदौरिया ने लीड बैंक इंडियन बैंक के सहयोग से स्थापित नई लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। नई लाइब्रेरी छात्रों के लिए अध्ययन का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराएगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रावास में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने छात्रों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी, ताकि वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन नए भवन का भी जायजा लिया गया। बताया गया कि भवन के पूर्ण होने के बाद छात्रावास की क्षमता 48 से बढ़कर 100 हो जाएगी। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास में बेहतर शैक्षणिक माहौल, नियमित अध्ययन व्यवस्था और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय छात्रों के विकास में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है और प्रशासन इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। इस मौके पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी सहित अन्य संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

ननिहाल आई किशोरी को बहला फुसला कर भगाया केस दर्ज

सहजनवां थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के एक में गांव में अपने ननिहाल 1 अप्रैल को आई हुई थी। जिसका संतकबीरनगर जिले के मगहर निवासी एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 4 अप्रैल को युवक उसे बहला फुसला कर भगा ले गया। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं चला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक संदीप साहनी पुत्र श्रीराम साहनी निवासी मगहर वार्ड 9 थाना खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है।

सम्पर्क मार्ग का भव्य शिलान्यास कार्यक्रम हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डा: विधानसभा गौरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत ककरघटा के माजरा नौतनवा-नाऊ परवा संपर्क मार्ग के शिलान्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक प्रभात कुमार वर्मा उपस्थित होकर विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ मार्ग निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। यह संपर्क मार्ग लगभग 1 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा, जिसकी लंबाई लगभग 2 किलोमीटर है।

इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्रीय जनता को आवागमन में बड़ी सुविधा प्राप्त होगी तथा ग्रामवासियों को विकास की एक महत्वपूर्ण सौगात मिलेगी।

विधायक जी ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनसुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा और ग्रामीणों के जीवन को सुगम बनाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान श्याम नारायण वर्मा, जितेंद्र पांडेय , विष्णु सिंह, सतीश मिश्रा, जयप्रकाश मिश्रा, रामचंद्र वर्मा, संजय प्रसाद, राम तीरथ यादव, द्वारिका प्रसाद, विनोद वर्मा, भगवान दीन मिश्रा सहित क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

आईजीआरएस पोर्टल पर देवीपाटन मंडल अव्वल, प्रदेश में हासिल किया पहला स्थान

● शिकायत निस्तारण में देवीपाटन मंडल नंबर-1, 86.67% सफलता दर के साथ रचा कीर्तिमान

● गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी निस्तारण से चमका देवीपाटन मंडल, आईजीआरएस में टॉप रैंक

● महिला शिकायतों के त्वरित समाधान से बढ़ी रैंकिंग, देवीपाटन मंडल प्रदेश में प्रथम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पोर्टल पर देवीपाटन मंडल ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मार्च 2026 की जारी रैंकिंग में मंडल ने 120 में से 104 अंक हासिल कर 86.67 प्रतिशत सफलता दर दर्ज की है।मंडलायुक्त शशिभूषण लाल सुशील ने बताया कि श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा और बलरामपुर जनपदों में शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रत्येक माह सभी जिलों की शिकायतों की समीक्षा की जाती है।

उन्होंने बताया कि शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए वे स्वयं रैंडम रूप से पांच शिकायतकर्ताओं से फोन पर फीडबैक लेते हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि शिकायतों पर वास्तविक कार्रवाई हो, न कि केवल औपचारिक

निस्तारण। इस व्यवस्था से पारदर्शिता और जवाबदेही में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

अपर आयुक्त (प्रशासन) मीनू राणा ने बताया कि महिलाओं और बेटियों की समस्याओं के समाधान के लिए मंडल में 'मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद' पहल भी चलाई जा रही है। इस पहल के तहत महिला शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण किया जाता है, जिसका सीधा असर मंडल की बेहतर रैंकिंग में देखने को मिला है।

दहेज हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का किया घेराव

बस्ती जिले की पुलिस कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं जिंदा जलाने वाले पति और उसके मन की गिरफ्तारी तो हो गए लेकिन सहयोगी भाई और बहन की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है या पुलिस कर नहीं रही है घटनाएं बढ़ रही है बस्ती जिले में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र ग्राम चौगढ़वा दहेज हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का किया घेरावजम कर किया गया नारेबाजी, पुलिस कर्मियों और महिलाओं से हुआ नोक झोक , इस संबंध में ष्थ हरैया से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने मोबाइल नहीं उठाई कहीं ना कहीं सिस्टम की कमी के कारण क्षेत्र में घटनाएं ज्यादा हो रही है उसे पर कार्रवाई न होने से अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है

बस्ती जिले में छावनी थाना क्षेत्र में आए दिन महिलाओं पर अपराध बढ़ रहे हैं छावनी पुलिस अपराध रोकने में पूरी तरह फेल नजर आ रही है, आए दिन महिलाओं संबंधी अपराध छावनी क्षेत्र में बढ़ रहे हैं, ताजा मामला छावनी थाना क्षेत्र के चौगडवा गांव का है जहां 30 वर्षीय महिला सीमा की जलकर दहेज लोभियों द्वारा हत्या कर लाश को छुपाने का प्रयास किया गया पहले बाद में पुलिस के डर के नाते लोगों को दिखाने के लिए दहेज लॉबियों द्वारा गाड़ी में लादकर लखनऊ मेडिकल कॉलेज लेकर जाएगा जहां डॉक्टरों ने तुरंत लाश को देखते ही मृतक घोषित कर दिया गया, मौके पर लखनऊ पुलिस द्वारा लाश को पीएम कराया गया और बस्ती पुलिस को सूचना दी गई।

मृतिका सीमा के पिता ने रो-रो कर बताया कि मेरी बेटी का दहेज लोभियों द्वारा उनके घर के लोग बार-बार दहेज के लिए मरते-पटाते थे और या दबाव डालते थे कि अपने घर से दहेज लेकर आओ नहीं तो तुम्हारी हत्या कर देंगे जबकि मेरी बेटी की एक बच्ची भी 4 साल की है बच्ची ने पूरा घटनाक्रम देखा कि 4 अप्रैल को रात लगभग 11:00 बजे पापा और सारे लोग मिलकर मम्मी के ऊपर तेल डालकर घर के अंदर आग लगा दिए जिससे मम्मी पूरी तरह जल गई और मम्मी वहीं जमीन पर गिर गई और मर गई।

मेरी बेटी की घर वाले मुझे सूचना नहीं दिए गांव के कुछ लोगों से मुझे जानकारी मिली कि आपकी बेटी को जलाकर मार डाले हैं मौके पर हम लोग जब पहुंचे तो घर पर पुलिस पहुंची थी और पुलिस को तहरी लिखकर हम लोग दिए लेकिन आरोपियों छावनी थाने पर दबाव होने के नाते अभी तक गिरफ्तारी सबकी नहीं हो पाई है जिसको लेकर आज हम लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने आए थे कप्तान साहब हम लोगों से मिले नहीं

वहीं 6 अप्रैल को विशेश्वरगंज बाजार में दुबौलिया थाना अध्यक्ष छावनी थाना अध्यक्ष और सीईओ हरिया द्वारा हम लोगों को लिखित आश्वासन दिया गया कि मुलजिम को हम लोग 24 घंटे में गिरफ्तार कर लेंगे लेकिन पुलिस द्वारा लिखित कागज हम लोगों को दिया गया इसके बावजूद भी पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर रही है। तत्काल अगर हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो हम लोग जिला अधिकारी कार्यालय के सामने अनशन पर बैठेंगे वहीं जब इस संबंध में हरिया को के मोबाइल नंबर पर फोन किया गया कि इस संबंध में क्या कार्रवाई की जा रही है तो को हराया ने फोन नहीं उठाया ना किसी प्रकार का अभी ठोस कार्रवाई हुई फिलहाल इस मामले में पुलिस ने मुकदमा लिखकर दो लोगों की गिरफ्तारी कर जेल भेजा है जबकि इस पूरे घटना करम में पिता ने द्वारा बताया गया कि हम लोग 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कारया हैं अभी तक सिर्फ पुलिस ने दो लोगों की गिरफ्तारी की है शेष की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।